

Established - 1956

Accredited Grade : 'A+' (4th Cycle) by NAAC with CGPA 3.36/4



# A. N. College, Patna

(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna) | Website : [www.ancpatna.ac.in](http://www.ancpatna.ac.in)



Chancellor's  
Awarded for Best  
College of Bihar



ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये  
CPE Status by UGC



Accredited Grade 'A+' 4th Cycle  
by NAAC with CGPA 3.36/4



MBA & MCA  
Approved  
by AICTE



## SPECIAL FEATURES

- Chancellor's Award for the Best College of the State of Bihar.
- College with Potential for Excellence (CPE) status by UGC thrice.
- DBT Star College Scheme
- Central Instrument Centre (CIC)
- Adequate Infrastructure State of the Art Auditorium (S.N. Sinha, Sabhagar)
- Separate Academic Blocks
- Administrative Building and Examination Hall
- Well Equipped laboratories and Spacious Classrooms
- Well stocked Library running on INFLIBNET Soul 2.0 software
- Each Department has Seminar Library and Smart class facilities
- Well Qualified and Experienced teaching faculty
- Excellent Research Culture
- Experienced and cooperative staff
- Excellent Academic Results and Healthy Academic Environment
- Playground, Badminton Court and gymnasium
- Well equipped language laboratory
- Lecture organized under the S.N. Sinha Memorial Lecture Series
- Regular Campus Selection under Placement & Guidance Cell
- Academic, Cultural and Research Collaboration at International level
- Wi-Fi enabled in Campus
- Excellent performance in terms of community service through NSS unit
- Girls Common Room, facilities of Sanitary Pad Vending Machine with Incinerator
- Cafeteria and Health Centre facilities available
- Provision of Ramp for differently abled persons in each building.
- NCC Unit
- E-Learning centre equipped with modern facilities.

## Quality Education is our Motto

- No. of Building** : Sprawling campus with 16 Buildings
- P.G. Teaching**: 23 Subjects
- U.G. Teaching**: 25 Subjects
- Conventional Courses : Science, Social Science & Arts
- Vocational & Professional Courses**:
- BBM, MBA, BCA, MCA, Electronics, Environmental Science, Bio-Technology, EWM, IT, BLIS, B.Ed, P.A. L.S.W & Commerce.
- Laboratories** : Well equipped Labs
- Total No. of computers** : 750+

## Publication

- Anugrah Jyoti
- A.N. College Journal for Discourses in Humanities and Social Sciences (ISSN 2582-9122)
- Annual Report
- Coffee Table Book
- संकलन, छह मासिक पत्रिका (स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग)

## Moocs

- A.N. College Coursera Campus (+ 200 Top University of the world)
- NPTEL- Swayam | IIRS - ISRO

## Foreign Language

- Korean | Japanese



Boring Road, Srikrishnapuri Patna - 13, Tel.:0612-2540482 | email:[infoancpatna.ac.in](mailto:infoancpatna.ac.in)

अंक - 2

जनवरी 2025

# संकलन

## स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग



ए. एन. कॉलेज, पटना  
की

वार्षिक पत्रिका

( जनवरी-दिसम्बर, 2024 )



## एएन कॉलेज : पत्रिका का लोकर्पण 'संकलन' में कॉलेज का नाम रोशन करने वाले छात्रों की भी कहानियां




पटना | एएन कॉलेज में स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग की पहली छह मासिक पत्रिका संकलन का लोकार्पण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार द्वारा किया गया। प्राचार्य ने पत्रिका के प्रकाशन पर शुभकामना दी। विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज ने बताया कि विभाग की पहली पत्रिका में सालभर की गतिविधियां शामिल हैं।

लेख-आलेख, सिविल सेवा की परीक्षा में अंतिम रूप से उत्तीर्ण हुए छात्र, खेल और कला में सफलता प्राप्त कर विभाग एवं कॉलेज का नाम रोशन करने वाले छात्रों को इसमें प्रकाशित किया गया है। इस अवसर पर अतिथि व्याख्याता डॉ. कविता श्रीवास्तव, छात्र प्रत्युष, जुली, सोनम, सुमन, अंकित, सुधा और अन्य लोग उपस्थित रहे।




दिनांक 19.12.2024 को विभाग की पहली पत्रिका 'संकलन' के प्रकाशन में जाने-माने दंत चिकित्सक डॉ. आशुतोष त्रिवेदी द्वारा स्पॉन्सरशिप प्राप्त किया गया था। पत्रिका डॉ. आशुतोष त्रिवेदी को विभाग के विद्यार्थियों सोनम सिंह, जुली, प्रत्युष रंजन और नेहा द्वारा भेंट और धन्यवाद ज्ञापित किया गया।



# ANTI AGING CLINIC

## Facial Rejuvenation Centre



**Dr. Ashutosh Trivedi**  
M.D.S.  
PG. Cert (USA),  
PG. Cert (Belgaum)



# ओरो डेन्टल

ISO 9001:2008 Certified

## Speciality Clinic

दंत चिकित्सा अपने पुराने तरीके जैसे- दांत निकालना, दांत भरना, दांत सफाई, नकली दांत बनाना जैसे पुरानी पद्धति से आगे एक आधुनिक विधि में परिवर्तित हो गया है।



पूर्वी बोरिंग कैनाल रोड, विष्णु पैलेस के बगल वाली गली में  
ओरो डेन्टल लेन, पटना-1, फोन: 0612-2525831, 2525194, 9431800679

अंक - 2

जनवरी 2025

# संकलन

स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग



ए. एन. कॉलेज, पटना  
की  
वार्षिक पत्रिका  
( जनवरी-दिसम्बर, 2024 )

प्रधान संपादक : प्रो. (डॉ.) प्रवीण कुमार

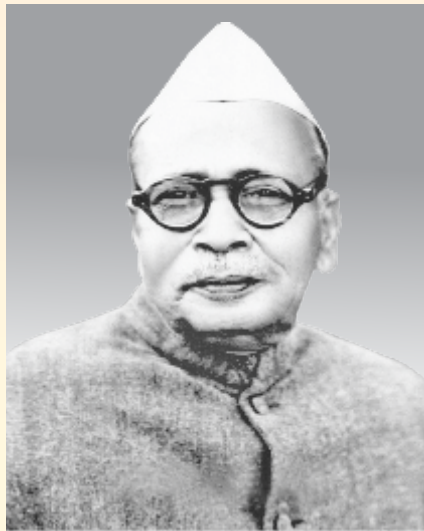
संपादक : डॉ. कविता राज

सुझाव : अभिषेक कुमार

## संपादक मंडल

- रुबी कुमारी, वरिष्ठ पत्रकार (स्वतंत्र) नई दिल्ली
- पूजा मिश्रा, छात्रा (2024-2026)
- सुमन कुमार, पूर्व छात्र (2021-2023)
- परितोष भट्टाचार्य, पूर्व छात्र (2022-2024)
- सूरज कुमार, पूर्व छात्र (2022-2024)
- रजनीश, छात्र (2024-2026)
- आदित्य नारायण, छात्र (2023-2025)

मुद्रक : सत्यम् प्रकाशन, पटना



**अनुग्रह नारायण सिन्हा**  
(1887-1957)



**सत्येन्द्र नारायण सिन्हा**  
(महाविद्यालय के संस्थापक)





## जहाँ जो है .....

● प्राचार्य का सन्देश	4
● शुभकामनायें	5-6
● विभागाध्यक्ष की कलम से	7
● प्रोफेसर शशि प्रताप शही : बिहार में उच्च शिक्षा के प्रकाश स्तंभ	8
● सफ़र अबतक	9
● छात्रों की उपलब्धियां	10
● विभागीय सेमिनार	13
● विभाग की गतिविधियाँ	17
● छात्रों की कलम से	19
● शोध प्रस्तुति	20
● भविष्य की राहें	24
● झलकियाँ	25



संकलन



## A. N. COLLEGE, PATNA

Patliputra University, Patna

3rd Cycle NAAC-Accredited Grade 'A' with CGPA 3.27/4

College with Potential for Excellence (C.P.E.) Status by U.G.C. (Thrice)

Office of the Principal

Ref.....

Date..... 27/01/2025



### प्राचार्य का संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि महाविद्यालय के स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग द्वारा 'संकलन' पत्रिका के दुसरे अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि लोक प्रशासन विभाग की पत्रिका के माध्यम से विभागाध्यक्ष ने प्रत्येक गतिविधियों को एक ही धागे में पिरोने की कोशिश की है समय और विषय के अनुरूप लोक प्रशासन विभाग के क्रियाकलापों को प्रस्तुत करने का श्रेय विभागाध्यक्ष के साथ-साथ विभाग के शिक्षकों, छात्र-छात्राओं को पूर्ण रूप से जाता है।

मेरा विश्वास है कि स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग की 'संकलन' पत्रिका निश्चित रूप से अन्य विभागों को नयी दिशा और अनुकरण करने को प्रेरित करेगा

इस अवसर पर विभाग के सभी सदस्यों को मेरी शुभकामनाएं !

(प्रो. प्रवीण कुमार)

प्रधानाचार्य

ए. एन. कॉलेज, पटना



0612-2540482

principal@ancpatna.ac.in

principalcollege@gmail.com

www.ancpatna.ac.in





शुभकामनायें ...



प्रो. रणधीर सिंह  
पूर्व विभागाध्यक्ष  
लोक प्रशासन विभाग

मुझे असीम प्रसन्नता हुई है कि ए. एन. कॉलेज, पटना के स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग द्वारा 'संकलन' नाम की पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। विभाग की गतिविधियों और उपलब्धियों को पत्रिका के रूप में प्रस्तुत करने का सराहनीय प्रयास करने हेतु विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज को हार्दिक शुभकामनाएं।

पत्रिका की निर्मिति का और उसकी साकार समर्थता को देख पाने का गर्व एक अनोखे मान भरे रिश्ते से जुड़ा है, जो रिश्ता गुरु की गुरुता और शिष्य की दृढ़प्रतिज्ञा इच्छा शक्ति के अंतर्तम में अंतरमन में निहित है।

पत्रिका में संकलित रचनाएं रोचक, शोध पूर्ण और पठनीय हों ऐसी मेरी आशा है। मैं विभाग की पहली पत्रिका 'संकलन' को दिल से आशीर्वाद देता हूं। शुभकामनाएं।



शुभकामनायें ...



डॉ. कविता श्रीवास्तव

विशिष्ट शिक्षण संकाय –सह –पूर्व विभागाध्यक्ष  
राजनीति विज्ञान विभाग,  
ए. एन. कॉलेज, पटना

I joined the Political Science Department, of A.N. College in 1994, and superannuated as the Head of Department of Political Science in 2003. Even after my superation, I have been associated with the department of Public Administration, since the last 21 years!

In my long association with the department and the college, I have seen the department grow from strength to strength and achieve excellence in every field.

The current Head of the Department, Dr. Kavita Raj is undertaking various steps to achieve excellence in all fields. The souvenir, which is to be taken out, is one such effort.

My best wishes to the Head of Department, faculty and students of the department of Public Administration. May they keep on achieving greater heights and bring glory to the college and Department.





### विभागाध्यक्ष की कलम से ...

जैसे कहीं दूर पर्वतों और झरनों से उतरते पानी की धार उथल-पुथल करती हुई अपनी सीमा रेखा को किनारों के रूप में स्थापित करती है ठीक वैसे ही प्रति वर्ष के दो किनारे जनवरी से दिसम्बर को एक सूत्र में पिरोती स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग की "पत्रिका " संकलन " का दूसरा अंक आपके हाथों में पहुंचा है ।



'संकलन' पत्रिका स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग की मात्र विभागीय पत्रिका नहीं है वरन मेरे लिए सपनों की रंग बिरंगी लकीरों की प्रस्तुति है, जिसके माध्यम से विभाग के छात्र छात्राओं की उपलब्धियों, सफलताओं, उनके नेतृत्व, लगन एवं कर्तव्यपरायणता, सेवा करने के भाव, अनुशासन इत्यादि की प्रस्तुति करने का प्रयास किया गया है। इस तरह की पत्रिका निकालने के लिए विभाग के मेधावी छात्र अभिषेक कुमार (2023-25) ने सुझाव दिया था। और फिर सफर स्वयं: शुरू हो गया।

'संकलन' पत्रिका विभाग की पहली पत्रिका है, इसलिए बहुत सारी सीमाओं के साथ इसका ई. प्रकाशन किया गया है।

महाविद्यालय के परम आदरणीय सहज, सुशील प्राचार्य प्रो. प्रवीण कुमार सर को सादर आभार जिन्होंने विभाग की विभिन्न गतिविधियों के लिए प्रेरित किया है।

मैं उन सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ जो इस पत्रिका को लिखने के लिए मेरे साथ जुड़े रहे। विशेष रूप से मेरे छात्र आदित्य नारायण, अभिषेक कुमार, सुमन कुमार, रजनीश, निशा, आकाश, प्रियंका, प्राची, सूरज, परितोष भट्टाचार्य और प्रकाश सिंह इन सभी छात्रों ने मुझे इस पत्रिका को इस रूप में प्रस्तुत करने के लिए बहुत सारी जानकारियाँ उपलब्ध कराईं।

यह सफर काफी अच्छा रहा और उत्साह भरा रहा।

अस्तु! 'संकलन' आपके हाथों में है, जो लोक प्रशासन विभाग को समर्पित है। आप सभी पाठक जनों से, विद्वत जनों से सुझाव की अपेक्षा भी है, सभी को साधुवाद।

डॉ. कविता राज



## प्रोफेसर शशि प्रताप शाही : बिहार में उच्च शिक्षा के प्रकाश स्तंभ

“शिक्षण एक बहुत ही महान पेशा है, जो एक व्यक्ति के चरित्र, क्षमता और भविष्य को आकार देता है।

अगर लोग मुझे एक अच्छे शिक्षक के रूप में याद रखें, तो यह मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान होगा।”

—डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

मगध विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति प्रोफेसर शशि प्रताप शाही ऐसे ही शिक्षक और शिक्षाविद् हैं जो भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के इस वक्तव्य को अक्षरशः चरितार्थ कर रहे हैं। अपने 25 वर्षों से अधिक के शैक्षणिक करियर में उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय योगदान दिए हैं। बहुयामी व्यक्तित्व के धनी प्रो. शाही को बिहार में उच्च शिक्षा में नवाचारों के लिए विशेषकर जाना जाता है।



### आरंभिक जीवन और शिक्षा

प्रो. शशि प्रताप शाही मूलतः सीवान जिले के मैरवा स्थित शाही लगड़पुरा गांव के रहने वाले हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा मैरवा के हरिराम स्कूल से हुई। इसके बाद लंगट सिंह कॉलेज से उन्होंने आईएससी की, जिसके पश्चात आगे की पढ़ाई के लिए पटना आ गए। प्रोफेसर शाही ने 1983 में मगध विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातक डिग्री प्राप्त की। उन्होंने 1985 में राजनीति विज्ञान में परास्नातक और 1992 में “प्राचीन भारत में सामाजिक-राजनीतिक विचार : बौद्ध और जैन धर्म के प्रभाव का अध्ययन” विषय पर पी-एच डी पूरी की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पटना से एमबीए में भी डिग्री हासिल की।

### शैक्षणिक और प्रशासनिक योगदान

प्रो. शाही ने अपने शैक्षणिक करियर की शुरुआत 1996 में नालंदा के सोहसराय स्थित किसान कॉलेज (मगध विश्वविद्यालय) से एक सहायक प्रोफेसर के रूप में की। तब से वह उच्च शिक्षा जगत में आगे बढ़ते गए और इस क्षेत्र में अपनी शैक्षणिक और प्रशासनिक योगदान से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। 2009-2012 तक नालंदा कॉलेज, बिहारशरीफ के प्राचार्य के रूप में उन्होंने वहां की शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया। उन्होंने मगध विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभाई और विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया। मगध विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त होने से पहले वे ए. एन. कॉलेज, पटना के 7 सालों तक प्राचार्य रहे।

### सम्मेलन, सम्मान और पुरस्कार

प्रोफेसर शाही ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सक्रिय भागीदारी की है। उन्होंने अमेरिका, कनाडा, थाईलैंड और इंडोनेशिया जैसे देशों में आयोजित शैक्षिक कार्यक्रमों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। वर्ष 2021 में बिहार के राज्यपाल द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ प्राचार्य चांसलर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनके नेतृत्व में ए. एन. कॉलेज को 2021 में सर्वश्रेष्ठ कॉलेज चांसलर पुरस्कार मिला। पर्यावरण संरक्षण में उनके योगदान के लिए 2019 में उन्हें वन महोत्सव प्रशंसा प्रमाण पत्र मिला।

### लेखन और प्रकाशन

प्रोफेसर शाही ने 20 से अधिक शोधपत्र और लेख विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किए हैं। उनके लेखों में “बिहार में मतदाता व्यवहार”, “कोविड-19 का शिक्षा पर प्रभाव”, और “21वीं सदी में प्रशासनिक सुधार” जैसे विषय शामिल हैं।

### एक आदर्श शिक्षाविद् और प्रशासनिक नेतृत्व

प्रोफेसर शाही को एक आदर्श शिक्षाविद् और उनकी प्रशासनिक नेतृत्व की क्षमता के लिए सराहा जाता है। उन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में दृढ़ता, समर्पण और दूरदर्शिता के साथ काम किया और बिहार में उच्च शिक्षा में नवाचारों का नेतृत्व किया। वास्तव में उन्होंने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित किया है। वर्तमान में प्रो. शाही उच्च शिक्षा और प्रशासन के क्षेत्र में एक प्रभावशाली व्यक्तित्व हैं। उनके सफल नेतृत्व में मगध विश्वविद्यालय आज नई उच्चाईयों की ओर अग्रसर है। प्रो. शाही की उपलब्धियां और जीवन यात्रा हजारों छात्रों के लिए प्रेरणा स्रोत है।

रुबी कुमारी, वरिष्ठ पत्रकार (स्वतंत्र) नई दिल्ली



**सफर अबतक....**

ए. एन. कॉलेज पटना में 1985 में लोक प्रशासन विषय में स्नातकोत्तर शिक्षा प्रदान करने के लिए लोक प्रशासन का स्नातकोत्तर विभाग शुरू किया गया था। स्वर्गीय प्रोफेसर के. पी. सिंह और स्वर्गीय प्रोफेसर एम. एम. मेहरा जैसे प्रख्यात विद्वानों के नेतृत्व में अपनी स्थापना के साथ ही विभाग में गुणवत्तापूर्ण स्नातकोत्तर शिक्षा अनुसंधान सेमिनार और सम्मेलनों पर ध्यान केंद्रित किया। विभाग ने अपने प्रारंभिक वर्षों में ए. एन. कॉलेज, पटना में अखिल भारतीय लोक प्रशासन संघ का एक सम्मेलन आयोजित भी किया, जो एक प्रशंसनीय प्रयास था।

**पाठ्यक्रम का मिशन**

- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना
- आवश्यक ज्ञान और कौशल विकसित करना
- लोक प्रशासन का अभ्यास
- लोक प्रशासन में अध्ययन का अनुसंधान
- स्थानीय और क्षेत्रीय समुदाय को बढ़ावा देना

**विभागाध्यक्षों की सूची**

क्रम सं	नाम	कब से	कब तक
1.	स्वर्गीय प्रोफेसर के पी सिंह	1985	08.02.1993
2.	स्वर्गीय प्रोफेसर एम एम मेहरा	12.02.1993	20.01.1997
3.	प्रोफेसर रणधीर सिंह	21.01.1997	01.08.2009
4.	डॉ० रामावतार सिंह	01.08.2009	22.12.2010
5.	प्रोफेसर बिमल प्रसाद सिंह	23.12.2010	24.05.2013
6.	डॉ० रामावतार सिंह	25.05.2013	18.02.2017
7.	प्रोफेसर शबनम ठाकुर	19.02.2017	08.03.2021
8.	डॉ० संजय कुमार	09.03.2021	22.08.2023
9.	डॉ० कविता राज	24.08.2023	वर्तमान



## छात्रों की उपलब्धियाँ.....

## सफलता

2023-25 सत्र के छात्र निक्कु बी पी एस सी 69 वीं की परीक्षा में BIHAR FINANCIAL SERVICE के लिए चयनित किए गए हैं। निक्कु वर्तमान में आपदा प्रबंधन विभाग, पटना, बिहार में सहायक निदेशक के पद पर कार्यरत होकर BIPARD में प्रशिक्षण में शामिल हैं। निक्कु को उनकी सफलता के लिए बहुत बहुत बधाई। आपसे उम्मीद है कि आप अपनी जिम्मेदारियों से पद को सुशोभित करते हुए एक आदर्श अधिकारी बनेंगे। बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं।



निक्कु

## सफलता

विभाग के 2020-22 के छात्र अवनीश गिरी केन्द्र स्तरीय "SSC CPO" 2022 की परीक्षा में चयनित होकर प्रशिक्षण की प्रक्रिया में शामिल हैं। अवनीश गिरी को सम्मान भरे पद हेतु बधाई। आपसे उम्मीद है कि आप अपनी जिम्मेदारियां से पद को सुशोभित करते हुए एक आदर्श पुलिस अधिकारी बनेंगे।



अवनीश गिरी

## यू.जी.सी. नेट सहित जे.आर.एफ.

2021-23 की छात्रा नेहा कुमारी ने यू.जी.सी. नेट सहित जे. आर.एफ. उत्तीर्ण कर, लोक प्रशासन विभाग एवं पूरे कॉलेज का नाम रोशन किया है। गौरतलब है कि पिता राजकिशोर झा और माता संगीता झा की पुत्री नेहा कुमारी स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विषय में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की गोल्ड मेडलिस्ट भी रही हैं। इस सफलता पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ प्रवीण कुमार ने बधाइयां दी हैं। विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ कविता राज ने नेहा कुमारी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस सफलता पर पूरे विभाग में हर्ष है। यह विभाग के अन्य छात्रों के लिए प्रोत्साहन भी है। विशिष्ट व्याख्याता डॉ कविता श्रीवास्तव और डॉ. संजय सिंह सहित विभाग के छात्र- छात्राओं ने भी बधाई दी।







### ऋषभ



### विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक

सत्र 2022-24 के ऋषभ को दिनांक 16.12.2024 को पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में महामहिम राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर इसी सत्र के अन्य विद्यार्थियों में भी प्रमाण पत्र वितरित किए गये। सभी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

### सफलता

विभाग के 2021-23 के छात्र राहुल कुमार BPSC TRE 2 (11-12) की परीक्षा में सफल होकर Upgraded Higher Secondary School JATKAULI, वैशाली में कार्यरत हैं।

राहुल कुमार जी को सफलता की शुभकामनाएं, आपसे उम्मीद है कि आप एक बेहतरीन शिक्षक बनकर बच्चों के भविष्य को सुगम बनाने का प्रयास करेंगे। ज्ञातव्य हो कि राहुल कुमार ने स्नातकोत्तर सेमेस्टर 4 में बेस्ट प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया था।



राहुल कुमार

विभाग के 2014-16 के छात्र आशानंद मिश्रा ने BPSC TRE 1 की परीक्षा गणित विषय में सफल होकर उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुक्की मधुबनी में कार्यरत हैं। आशानंद मिश्रा जी को सफलता की शुभकामनाएं, आपसे उम्मीद है कि आप एक बेहतरीन शिक्षक बनकर बच्चों के भविष्य को सुगम बनाने का प्रयास करेंगे।



आशानंद मिश्रा



### स्वर्ण पदक पुरस्कार

30 अक्टूबर 2024 को श्री गोविन्द सिंह कॉलेज में आयोजित भारोत्तोलन अन्तर कॉलेज प्रतियोगिता में 2024-26 की ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर विभाग का नाम रोशन किया



27 अक्टूबर 2024 को जगत नारायण कॉलेज में आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता में 2024-26 की

ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर विभाग का नाम रोशन किया

### सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

रवि कुमार एवं उमर अली

BIT Patna द्वारा आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट "PRAKRIDA 2024 10th Edition" में ए.एन. कॉलेज ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर प्रथम स्थान हासिल किया। लोक प्रशासन विभाग गौरवान्वित है कि महाविद्यालय के फुटबॉल टीम कप्तान रवि कुमार सेमेस्टर 2 के छात्र हैं, टीम में शामिल उमर अली भी विभाग के छात्र हैं। दोनों सफल खिलाड़ी को बधाई और शुभकामनाएं।



2024-26 के विद्यार्थी रणजीत सिंह ने महाविद्यालय द्वारा प्रथम राष्ट्रीय अन्तरिक्ष दिवस के अवसर पर 23 अगस्त 2024 को आयोजित विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।







## विभागीय सेमीनार.....

## विकास प्रशासन में महात्मा गाँधी के विचार

दिनांक 30.1.2024 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर 'विकास प्रशासन में महात्मा गांधी के विचार' पर विभागीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को श्रद्धा अर्पित करते हुए 3 मिनट के मौन धारण से आरंभ हुआ। विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज ने सेमिनार के विषय के मुख्य बिंदुओं को सामने रखते हुए सेमिनार को आरंभ किया। महात्मा गांधी के विचारों को विशेष कर विकास प्रशासन में लागू किए जाने की संभावनाओं को व्यक्त किया। महात्मा गांधी के आधार स्तरीय नियोजन, आत्मनिर्भरता के विचार, स्वराज के सिद्धांत, ट्रस्टीशिप का सिद्धांत, राम राज्य की संकल्पना, लघु और कुटीर उद्योगों के विकास, मशीनीकरण/आधुनिकीकरण, भारतीय शिक्षा के ब्यूटीफुल ट्री के स्वरूप को व्यक्त करते हुए अपनी बात रखी। डॉ. कविता श्रीवास्तव पूर्व विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान ने महात्मा गांधी के विचारों को रखा, उन्होंने गांधी जी के तीन बंदर की संकल्पना को प्रशासन को आत्मसात करने की आवश्यकता को व्यक्त किया। विभाग के शिक्षक डॉ. संजय कुमार सिंह ने महात्मा गांधी के विचारों को वर्तमान परिदृश्य में ढालने की कोशिश करने पर बल दिया। डॉ. सुकृति द्विवेदी ने राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत में वर्णित पंचायती राज के बारे में बताते हुए कहा कि यह गांधी जी के ही विचारों का ही परिणाम था। स्नातकोत्तर द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर के दिव्यांशु, परितोष, सूरज कुमार अस्मिता, नरेंद्र, जूली प्रत्यूष बिट्टू तथा अन्य विद्यार्थियों ने अपने-अपने विचारों को रखा। द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सोनम सिंह में कार्यक्रम का संचालन किया और कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉक्टर कविता राज ने किया।



## नारी नारायणी है...

औरत की इल्म का इतिहास एक जद्दोजहद का इतिहास है, संघर्ष का इतिहास है, जो तमाम दुनिया की संवेदनशील और चिंतनशील औरतों ने अपनी कलम से भी लिखा कर्ज से भी लिखा और छुपे हुए आंसुओं से भी। बावजूद इसके औरत को कभी यूनानी कवयित्री सैफ्रो की तरह जलावतन झेलना पड़ता है तो कभी कश्मीर की ललेश्वरी और हब्बा खातून की तरह अपना घर द्वार छोड़ जंगलों में पनाह लेना पड़ता है। जब-जब ऐसा होता है तब तब औरत के दिल से निकले पाक अक्षर जलने लगते हैं। इन जलते अक्षरों की कहानी बहुत लंबी है, इन जलते अक्षरों को सीने से सटाए औरत पंखों की उड़ान भरती है, सफलता के द्वार खटखटाती है।



'नारी नारायणी है' इसी ताने बाने को लेकर 09.03.2024 को विभाग के छात्रों द्वारा छात्राओं और शिक्षिकाओं को सम्मान देने हेतु महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर सेमेस्टर 2 के विद्यार्थी अभिषेक कुमार, दिव्यांशु रंजन, प्रत्यूष कुमार, बिट्टू, ऋषिकेश रंजन, आनंद राज, राज रंजन सिंह ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालन के लिए सहयोग प्रदान किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रवीण कुमार, विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज, डॉ. कविता श्रीवास्तव, पूर्व विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान, विभाग की अतिथि व्याख्याता डॉ. सुकृति द्विवेदी, डॉ. अनिल नाथ सिन्हा, विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग, प्रो. प्रीति कश्यप अर्थशास्त्र विभाग, डॉ. श्वेता श्रम एवं समाज कल्याण विभाग, डॉ. शत्रुघन, श्रम एवं समाज कल्याण विभाग, डॉ. वंदना, श्रम एवं समाज कल्याण विभाग ने अपने-अपने वक्तव्य रखे। विभाग के छात्र ऋषिकेश रंजन, प्रत्यूष कुमार, सोनम सिंह, दिव्यांशु और अभिषेक कुमार ने अपने वक्तव्य रखे। कार्यक्रम का संचालन विभाग की छात्रा अस्मिता चौरसिया ने किया। विभाग के छात्रों द्वारा अपनी महिला शिक्षिकाओं को और अपनी सहपाठियों को यह सम्मान देना उनके स्वयं के व्यक्तित्व का परिचायक परिलक्षित होता है।



## भारत में गुरु शिष्य परंपरा

गुरुर ब्रह्मा गुरुर विष्णु,  
गुरुर देवो महेश्वरा  
गुरुर साक्षात् परब्रह्म,  
तस्मै श्री गुरुवे नमः।

दिनांक 21 जुलाई 2024 को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विभाग द्वारा 'भारत में गुरु शिष्य परंपरा' विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने विचार, कविताएं इत्यादि की प्रस्तुति की। कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत अभिलाषा कुमारी की कविता से हुई। इस कार्यक्रम में प्रत्यूष रंजन, प्रकाश सिंह राजपूत, जूली सिंह, रोहित, अमित चौधरी, काव्या, नरेंद्र कुमार, आदित्य इत्यादि ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। विभागाध्यक्ष ने कहा कि हमारे जीवन में जो भी लोग आते हैं, उनसे हमें कुछ ना कुछ सीखने का अवसर प्राप्त होता है। गुरु की महिमा सदैव से होती रही है। गुरु अगर महान है तो गुरु को अपने शिष्यों के प्रति भेदभाव नहीं करना चाहिए। हम सभी वाकिफ हैं उस कलंकित इतिहास से जहां गुरु द्रोणाचार्य ने अपने परम प्रिय शिष्य के लिए एकलव्य का अंगूठा कटवाते हैं, तो युद्ध में उसी परम प्रिय अर्जुन के हाथों से मार भी जाते हैं। इसलिए गुरु को अपना आचरण इस प्रकार बनाए रखना चाहिए जिससे उसके शिष्य जीवनपर्यंत प्रेरित होते रहे। कार्यक्रम का समापन प्रकाश सिंह की कविताओं से हुआ।



## महिला शोषण और कानूनी प्रावधान; मानवाधिकार के संदर्भ में विचार विमर्श

'अंधेरे को जीतने का हुनर है हममें, देखने की चाहत है जिन्हें कलेजा हथेली पर निकाल कर रखना' यह चुनौती है आज की नारी का। फिर जब सब कर सकती है महिला तो क्यों नहीं मिलता उसे पुरुषों का साथ। हर जगह क्यों मिलती है उसे प्रताड़ना और तिरस्कार। क्यों नहीं है वह घर में भी सुरक्षित; क्यों नहीं उसे घर के कामों में मान, क्यों बाहर मिलती हैं उसे पुरुषों की भेदती नजर। क्यों होता है लड़कियों का यौन उत्पीड़न। क्यों लड़ नहीं पाती अपनों से। क्यों कुचल दिए जाते हैं उसके अरमान, उसके अपने सपने। कभी सरकारी स्तर पर उपेक्षा तो कभी पुरुषों की एकल सोच और कभी स्वयं नारी की जड़ता के कारण दहक रहा है नारी का अंतरमन। इसी ताने बाने को लेकर लोक प्रशासन विभाग द्वारा 31.08.2024 को 'महिला शोषण और कानूनी प्रावधान; मानवाधिकार के अंतर्गत विचार विमर्श' विषय पर विभागीय सेमिनार का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार ने महिलाओं के सशक्तीकरण और महिलाओं को आत्मनिर्भर होने की बातें कहीं। विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज ने वर्तमान संदर्भ की घटनाओं और प्रेरणाओं का उल्लेख करते हुए कई उदाहरण दिए। विशिष्ट अतिथि व्याख्याता डॉ. कविता श्रीवास्तव, डॉ. संजय कुमार सिंह ने भी महिला शोषण और कानूनी प्रावधान के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। विभाग के छात्र आदित्य, नेहा, सुमन, प्रत्यूष रंजन, सोनम, जूली सिंह, प्रकाश सिंह राजपूत, राज रंजन, उदय, दिव्यांशु, मधुसूदन ने अपने-अपने विचार रखे। छात्रों ने भी कई प्रश्न किए और अपनी बातें रखीं। कार्यक्रम का संचालन छात्र आदित्य नारायण ने किया और धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज ने किया।







## ‘आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: बिहार के संदर्भ में संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ’

दिनांक 07.09.2024 को भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, बिहार प्रांत शाखा और लोक प्रशासन विभाग, ए एन कॉलेज, पटना के संयुक्त तत्वावधान में शिवशिवनाथ प्रसाद मेमोरियल लेक्चर के तहत ‘बिहार गर्वनमेंस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ’ विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें आमंत्रित वक्ताओं ने अपनी राय रखी। प्रथम वक्ता के तौर पर भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, दिल्ली के महानिदेशक और सेवानिवृत्त आईएएस एस. एन त्रिपाठी ने कहा – आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज की माँग है। डिजिटल क्रांति के बाद यह और आवश्यक हो गया है। यह उत्पादकता में वृद्धि करने के साथ शिक्षा –स्वास्थ्य को सुलभ और लचीला बनाता है। वहीं आईआईपीए, बिहार प्रांत के अध्यक्ष और सेवानिवृत्त आईएएस विजय प्रकाश ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वैश्विक स्तर पर उभर रहा है, किसी भी राज्य और देश को इससे कदम-से-कदम मिलाकर चलने होंगे। जबतक हम इससे अपडेट नहीं होंगे, कहीं-न-कहीं राज्य और देश में पिछड़ेपन और कमजोरी आएगी, हालांकि इसकी चुनौतियों से भी सावधान रहने की जरूरत है। वहीं इस संस्थान के कुलसचिव ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ओर नौकरी और बेरोजगारी की समस्याएं बढ़ा रहा है, वहीं दूसरी ओर यह नौकरी के नए दरवाजा खोल रहा है। जो इसमें रूचि लेकर इसे अपना रहे हैं, वे इस क्षेत्र में अच्छा जॉब भी कर रहे हैं, उन्हें इसमें नौकरियों की अपार सम्भावनाएं दिख रही हैं। गन्ना उद्योग विभाग के प्रधान सचिव श्री नर्मदेश्वर लाल ने भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर अपनी बात रखी इस मेमोरियल लेक्चर में ए0एन0 कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर प्रवीण कुमार ने भी अपनी बातें रखीं और कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नई नौकरियों के द्वार खोल रहा है, बशर्ते हमें इसे अपनाने होंगे, यह समय की मांग भी है। आईआईपीए, बिहार ब्रांच के मानद सचिव आर. के. वर्मा ने मंच संचालन किया। वहीं विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कॉलेज के छात्र- छात्राओं सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।



### रतन टाटा और उनके प्रशासनिक निर्णय पर विचार विमर्श

निर्णय करना अथवा निर्णयन मानव की एक स्वाभाविक आवश्यकता और विशेषता होती है। निर्णय करना जितना महत्वपूर्ण है उतना ही कठिन भी है। हम सभी हर समय किसी न किसी मामले में निर्णय लेते रहते हैं। चाहे वह मामला व्यक्तिगत हो या सार्वजनिक, महत्वपूर्ण हो या सामान्य, बिना निर्णय कोई भी संगठन चल नहीं सकता। और यदि उसे मजबूती से चलना हो तो निर्णय ठीक होने चाहिए। निर्णय के संदर्भ में हर्बर्ट साइमन ने अपने विचार प्रस्तुत किए हैं, उन्होंने कहा था कि निर्णय लेने के लिए सभी विकल्पों को देखना चाहिए और सभी विकल्पों में सर्वश्रेष्ठ का चयन करना चाहिए। प्रशासन में निर्णय एडमिनिस्ट्रेटिव बिहेवियर के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी संदर्भ में लोक प्रशासन विभाग द्वारा दिनांक 17.10.2024 को ‘रतन टाटा और उनके प्रशासनिक निर्णय पर विचार विमर्श’ विषय पर विभागीय सेमिनार का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज ने निर्णय प्रक्रिया और रतन टाटा के निर्णय लेने और चुनौतियों का सामना करने इत्यादि पर अपने विचार को रखा। विभाग की विशिष्ट व्याख्याता डॉ. कविता श्रीवास्तव ने रतन टाटा के महत्वपूर्ण निर्णय पर चर्चा की और बताया कि टाटा एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज के माध्यम से टाटा ग्रुप में काम करने वाले लोगों को बेहतर काम करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। अतिथि व्याख्याता डॉ. संजय कुमार सिंह ने कहा कि किसी भी प्रशासन में निर्णय लोक कल्याणकारी स्वभाव का होना चाहिए। उन्होंने बताया कि रतन टाटा भी अपने कार्यकाल में टाटा ग्रुप के लिए जो भी निर्णय लेते थे वह कल्याणकारी होते थे समाज के लिए भी, कंपनी में काम करने वाले लोगों के लिए भी और सरकार के लिए भी। कार्यक्रम में सेमेस्टर 1 की पूजा मिश्रा, अमिषा, रजनीश, प्राची, रणजीत और सेमेस्टर 3 की सोनम, अभिलाषा, जुली, दिव्यांशु, प्रकाश सिंह, नेहा, नरेंद्र, ने अपने-अपने विचारों को रखा। कार्यक्रम का संचालन प्रत्यूष रंजन ने किया और धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज ने किया।



### ‘संसदीय लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका’

संसदीय लोकतंत्र में प्रतिपक्षी दलों का यानी विपक्ष का विशिष्ट महत्व होता है। सरकार का कार्य शासन चलाना होता है और विपक्ष का कार्य सरकार की नीतियों की आलोचना करना और वैकल्पिक नीतियां प्रस्तुत करना होता है। विरोधी दल सरकार और संसद का महत्वपूर्ण अंग होता है। क्योंकि वह सरकार को सतर्क रखता है ताकि वह अपना कार्य ध्यानपूर्वक और भली भांति करें। अगर विपक्ष ना हो तो सरकार अपने दल के बहुमत के बल पर मनमानी करेगी, जिससे नागरिक स्वतंत्रता का हनन होगा। संसदीय सरकार में एक विरोधी दल विद्यमान है तो नागरिकों के हितों को भली प्रकार सुरक्षित रखा जा सकता है।

इसी आलोक में 27.07.2024 को विभाग द्वारा ‘संसदीय लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका’ विषय पर विभागीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार ने इस विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विपक्ष का किसी भी लोकतंत्र में बहुत अधिक महत्व होता है। लेकिन विपक्ष का काम सिर्फ निंदा करना नहीं होना चाहिए, बल्कि समालोचना की ओर होना चाहिए। विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज ने भारतीय लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका को स्पष्ट करते हुए विद्वान जेनिंग्स के कथन को कहा कि यदि यह जानना कि अमुक देश की जनता स्वतंत्र है या नहीं यह जानना आवश्यक है कि वहां पर विरोधी दल है या नहीं है और है तो कहां पर। क्योंकि सरकार पर आक्षेप करने का मुख्य उत्तरदायित्व विरोधी दल पर ही होता है। विरोधी दल का अगर महत्व है तो विपक्ष की भूमिका आलोचना के लिए आलोचना में सिमट कर नहीं होनी चाहिए। विशिष्ट व्याख्याता डॉ. कविता श्रीवास्तव और डॉ. संजय कुमार सिंह ने सेमिनार को संबोधित करते हुए अपनी-अपनी बातें रखी। विभाग के पूर्ववर्ती विद्यार्थी सुधांशु पांडे और सेमेस्टर 3 के विद्यार्थी प्रत्यूष रंजन, नरेंद्र कुमार, प्रकाश सिंह राजपूत, जूली, सोनम, दिव्यांशु, ऋषिकेश रंजन, अभिलाषा, राजरंजन, गुलशन, अंतिमा, आनंद, अस्मिता इत्यादि ने अपनी बातों को रखा। प्रकाश सिंह राजपूत ने कहा कि भारत के लिये एक सच्चे लोकतंत्र के रूप में कार्य करने हेतु एक संसदीय विपक्ष—जो राष्ट्र की अंतरात्मा है, को संपुष्ट करना महत्वपूर्ण है। सेमिनार का संचालन आदित्य रंजन ने किया और धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज ने किया।

### ‘भारतीय संविधान में संघवाद’

26.11.2024 को भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर ‘भारतीय संविधान में संघवाद’ विषय पर विभागीय सेमिनार का आयोजन ए एन कॉलेज के स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग द्वारा किया गया। प्राचार्य प्रोफेसर प्रवीण कुमार ने संविधान के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की और बताया कि संघवाद व्यवस्था एक प्रकार से किसी देश को एकजुट होकर चलने की व्यवस्था, एक माला में पिरोये जाने का ही नाम है। संविधान के बारे में उन्होंने बड़े ही रोचक जानकारी दी और बताया कि संविधान लिखने वाले व्यक्ति का मूल संविधान के प्रत्येक पृष्ठ पर नाम अंकित है और वो थे प्रेम बिहारी रायजादा। लोक प्रशासन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज ने कहा कि संघीय व्यवस्था का सर्वाधिक महत्वपूर्ण सिद्धांत यह है कि केंद्र और राज्य के बीच संबंध सहयोग पर आधारित हो लेकिन भारत के संविधान में संघवाद यानी फेडरेशन शब्द का नहीं बल्कि यूनियन शब्द का प्रयोग किया गया है। विभाग की विशिष्ट व्याख्याता डॉ. कविता श्रीवास्तव ने संविधान की संघीय व्यवस्था पर चर्चा करते हुए बताया कि भारत के संविधान में संघवाद व्यवस्था के अनुरूप कुछ व्यवस्था को अंगीकार किया गया, लेकिन उच्चतम न्यायालय और दोहरी नागरिकता को अपनाया नहीं गया। डॉ. संजय कुमार सिंह ने बताया कि संविधान की संघीय व्यवस्था शक्ति के पृथक्करण और विकेन्द्रीकरण व्यवस्था पर जोर देती है। विभाग के विद्यार्थी रणजीत सिंह, रजनीश, अमीषा, पूजा मिश्रा, अस्मिता, प्रकाश कुमार सिंह, अविनाश नेहा, जिनत, प्राची, आनंद राज, ऋषिकेश रंजन, सोनम ने संघवाद विषय पर चर्चा किया। कार्यक्रम का संचालन उदय शंकर ने किया और धन्यवाद ज्ञापन विभाग अध्यक्ष डॉक्टर कविता राज ने किया।





## विभाग की गतिविधियाँ.....

### संकलन पत्रिका का लोकार्पण

स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग, ए. एन. कॉलेज, पटना द्वारा विभाग की पहली छह मासिक पत्रिका 'संकलन' का लोकार्पण महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रवीण कुमार के कर कमलों द्वारा किया गया। प्राचार्य प्रो. प्रवीण कुमार ने पत्रिका के प्रकाशन पर शुभकामनाएँ व्यक्त की। विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज ने बताया कि विभाग की पहली पत्रिका में साल भर की गतिविधियों के साथ ही लेख – आलेख, सिविल सेवा की परीक्षा में अंतिम रूप से उत्तीर्ण हुए छात्र और खेल, कला आदि में सफलता प्राप्त कर विभाग एवं कॉलेज का नाम रोशन करने वाले छात्रों को इसमें प्रकाशित किया गया है। विमोचन के अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज, विभाग की विशिष्ट अतिथि व्याख्याता प्रो. डॉ. कविता श्रीवास्तव एवं विभाग के छात्र प्रत्युष, जुली, सोनम, सुमन, आनंद, सुधा और अन्य लोग उपस्थित रहे।



**एएन कॉलेज : पत्रिका का लोकार्पण**  
**'संकलन' में कॉलेज का नाम रोशन करने वाले छात्रों की भी कहानियाँ**

पटना। एएन कॉलेज में स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग की पहली छह मासिक पत्रिका 'संकलन' का लोकार्पण महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रवीण कुमार द्वारा किया गया। प्राचार्य ने पत्रिका के प्रकाशन पर शुभकामना दी। विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज ने बताया कि विभाग की पहली पत्रिका में साल भर की गतिविधियों के साथ ही लेख – आलेख, सिविल सेवा की परीक्षा में अंतिम रूप से उत्तीर्ण हुए छात्र और खेल, कला आदि में सफलता प्राप्त कर विभाग एवं कॉलेज का नाम रोशन करने वाले छात्रों को इसमें प्रकाशित किया गया है। इस अवसर पर अतिथि व्याख्याता डॉ. कविता श्रीवास्तव, डॉ. राज प्रत्युष, जुली, सोनम, सुमन, आनंद, सुधा और अन्य लोग उपस्थित रहे।

### 2024– 26 सत्र के प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का इंडक्शन कार्यक्रम

23.9.2024 को 2024–26 सत्र के प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। नए विद्यार्थियों का आगमन किसी भी महाविद्यालय के लिए हर्षपूर्ण होता है। साथ ही विद्यार्थियों को अपने नए महाविद्यालय में नए विषय और नए मित्रों के साथ जुड़ने का मौका मिलता है। इस कार्यक्रम में नए सत्र के विद्यार्थियों ने अपना परिचय दिया और विशिष्ट व्याख्याता डॉक्टर कविता श्रीवास्तव ने सभी विद्यार्थियों को स्वागत किया, डॉ. संजय कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि लोक प्रशासन विषय को चुनने का उद्देश्य लगभग सभी विद्यार्थियों के लिए एक समान होता है यानी लोकसेवा में जाने का एक अवसर। विभागाध्यक्ष डॉक्टर कविता राज ने सभी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए पाठ्यक्रम की जानकारी दी और सभी का स्वागत किया। डॉ. कविता ने कहा कि पाठ्यक्रम में 2 वर्ष का जो समय है वह आपके लिए महत्वपूर्ण है। इस समय का आप भरपूर उपयोग करें और पाठ्यक्रम से संबंधित सभी जानकारी शिक्षकों से प्राप्त करने की कोशिश करें। कार्यक्रम का संचालन सेमेस्टर 3 के छात्र आदित्य नारायण ने किया।

### हिन्दी दिवस

14 सितंबर 2024 को हिंदी दिवस के अवसर पर विभाग के विद्यार्थियों द्वारा विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर प्रवीण कुमार ने अपना वक्तव्य रखा। उन्होंने कहा कि भाषा के कारण भी मानव अन्य जीवों से श्रेष्ठ हुआ, क्योंकि मानव के पास आपनी भावनाओं को कहने का माध्यम है भाषा, जो अन्य जीवों में नहीं है। विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज ने कहा कि हिंदी सरल है, इसका प्रयोग हर क्षेत्र में शुरू करना चाहिए। यह रोजगार की भाषा है, बशर्ते हमें इसे अपनाने होंगे, काम-काज में प्रयोग करना होगा। संगोष्ठी में विभाग की छात्रा जुली, सोनम, राज रंजन, दिव्यांशु, अस्मिता और नेहा ने अपने-अपने विचार रखे। संचालन विभाग के छात्र प्रत्युष रंजन ने किया और धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज ने किया।







### रंगोली दीपोत्सव

24.10.2024 को स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग के छात्रों द्वारा रंग-बिरंगी रंगोली बनाकर रंगोली उत्सव और दीपोत्सव मनाया गया। विभिन्न रंगोलियों को अवलोकन करते हुए कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार ने छात्र-छात्राओं के अंदर छुपी हुई विभिन्न कलाओं की प्रशंसा की और कहा कि महाविद्यालय में इस तरह के कार्यक्रम से छात्र-छात्राओं के अंदर छुपी हुई प्रतिभा को तराशने और निखारने का अवसर मिलता है। वहीं विभागाध्यक्ष डॉ. कविता



राज ने कहा कि हमारे विद्यार्थी अत्यंत प्रतिभावान हैं। शिक्षण-अध्यापन के अतिरिक्त इस तरह के कार्यक्रम किए जाने से विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिलता है। इस मौके पर अर्थशास्त्र विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ. अनिल नाथ सिंह और डॉ. अभिषेक दत्त भी उपस्थित रहे। विभाग के छात्र-छात्रा पूजा, आदित्य, सोनम जूली, प्रत्युष, ज्योति, गुंजन रजनीश रंजीत अर्पणा, अमीषा, निशा, प्रियंका अभिषेक, श्वेता आदि ने मिलकर रंगोली बनाया।

### विदाई समारोह

यूं तो विदाई का पल खुशनुमा पल नहीं होता है लेकिन किसी सत्र से विद्यार्थियों का जाना उनकी सुखद और बेहतर जिंदगी की शुभकामनाओं से भरा होता है। विदाई समारोह का पल कभी खुशी कभी गम का माहौल होता है। दिनांक 20 जुलाई 2024 को 2022-24 के छात्रों का विदाई समारोह 2023-25 के छात्रों के द्वारा आयोजित किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज ने सभी को आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में विभाग की



विशिष्ट अतिथि व्याख्याता डॉ. कविता श्रीवास्तव ने शुभाशीष देते हुए सब की सुखद जिंदगी की कामना की। इस कार्यक्रम में 2022-24 के प्रेम, उमर, शेफ, रवि, सूरज, ऋषभ, नेहा, संगीता, निधि, सुनिधि, विश्वजीत और मनीष ने महाविद्यालय में बिताए अपने 2 वर्षों के अनुभवों को साझा किया। 2023-25 के छात्र आदित्य, प्रत्युष रंजन, सोनम, जूली, दिव्यांशु, अंतिमा, आनंद राज, निक्को, राणा, गुंजन, खुशबू, सौरभ, अमीषा, ज्योति, काव्या, उदय शंकर, काजल, सुमन, नेहा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रत्युष रंजन ने किया।

16.10.2024 को सेमेस्टर 3 के विद्यार्थियों के लिए आंतरिक परीक्षा का आयोजन किया गया। Internal examination के माध्यम से विद्यार्थियों का continuous assessment होता है।







कलम से.....

**We the People@75: Navigating India's Commitment to Human Rights**

**Dr. AMIRULLAH**

Assistant Professor (Public Administration)  
Department of Political Science  
Ram Ratan Singh College, Mokama, Patna  
(A Constituent unit of Patliputra University)



As we mark the 75<sup>th</sup> year of our Republic, the journey of India is a tapestry woven with the threads of resilience, diversity, and aspiration. Yet, as we celebrate our democratic ethos, reflecting on the tenets that uphold our rights and liberties is imperative. Amidst the vibrant mosaic of cultures and languages, the commitment to human rights stands as a cornerstone, guiding us towards a more equitable future.

The Constitution of India, a beacon of hope and justice, enshrines fundamental rights that protect the dignity of every individual. From the right to equality to the right to freedom of speech, these provisions empower citizens to voice their concerns and challenge injustices. However, realizing the full potential of these rights remains daunting, fraught with challenges that demand our collective attention.

In recent years, the landscape of human rights has witnessed both progress and regressive movements. Social movements have emerged as powerful agents of change, with citizens raising their voices against injustices ranging from caste discrimination to gender-based violence. Yet, the oscillation between the recognition of rights and the encroachment upon them has led to a climate of hope and uncertainty.

As India strides into its next chapter, the commitment to human rights must transcend rhetoric and enter the realm of actionable change. All governments, civil society and the citizenry, must come together in a concerted effort to foster a culture of respect for rights. Education is crucial in this endeavour, equipping individuals with the knowledge and tools to advocate for themselves and others.

Additionally, protecting the rights of the marginalized remains a pressing concern. From the tribal communities facing land dispossession to the LGBTQ+ individuals combating societal stigma, a concerted effort must be made to ensure that the promise of equality is not merely a hollow declaration but a living reality for all.

Furthermore, the role of the judiciary in safeguarding human rights cannot be understated. A robust and independent judiciary is essential in upholding the rule of law and ensuring accountability for violations. As custodians of the Constitution, judges have a unique responsibility to interpret laws in a manner that resonates with the spirit of justice.

In this journey of navigating India's commitment to human rights, let us embrace the ideals of empathy, inclusion, and understanding. As we reflect on the past, we must also envision a future where the principles of dignity and respect for all individuals become not just aspirations but a way of life. With renewed vigour, let us pledge to upholding the rights of every citizen, weaving a narrative that genuinely reflects the notion of "We the People"- united in our diversity, stronger in our commitment to human rights.



## छात्रों की कलम से.....

## क्या देश का संविधान और लोकतंत्र ख़तरे में है?

सुमन कुमार, सत्र : 2021-23

क्या देश का संविधान और लोकतंत्र ख़तरे में है? इस विषय पर अपनी राय रखने से पहले, मैं एक वाक्य में स्पष्ट जवाब देना चाहूँगा। वह यह कि हमारे देश का संविधान और लोकतंत्र ख़तरे में नहीं है। थोड़े समय के लिए दिखता भी है, तो देश की जनता, न्यायालय, मजबूत विपक्ष के होते संभव नहीं होता।

भारत में लोकतंत्र और गणतंत्र दोनों हैं। यानी हमारे देश में दोनों तंत्र काम करते हैं। गिने-चुने ही देश हैं, जहाँ दोनों तंत्र हों! अमेरिका के सोलवें राष्ट्रपति थे— अब्राहम लिंकन, उन्होंने कहा था, “लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा शासन है।” यानी जनता जिसे चाहेगी, उसे वोट देकर चुनाव कर सकती है। इस तंत्र का मालिक जनता है। वह चाह ले, तो सरकार बना भी सकती है और गिरा भी सकती है। वहीं गणतंत्र का शाब्दिक अर्थ सामान्य तौर पर लोकतंत्र जैसा ही मान लिया जाता है, जो इससे थोड़ा हटकर है। वह ऐसे कि लोकतंत्र संसदीय—व्यवस्था आधारित है। यहाँ जनता चुनाव जरूर करती है, लेकिन चुने गए लोग सरकार में आकर अगर किसी भी तरह से किसी धर्म—समाज या समुदायों के लोगों के अधिकारों का हनन करती है या मनमाना कानून थोपने की कोशिश करती है, तो बस वहीं पर गणतंत्र की भूमिका अहम हो जाती है। यानी देश का लिखित संविधान। जहाँ मुख्यतः नागरिक अधिकारों की रक्षा, समानता, धर्मनिरपेक्षता आदि पर बल देता है। इसलिए कोई भी सरकारें संविधान के विरुद्ध कुछ भी नहीं कर पाती हैं। यानी हमारे देश में संसदीय—व्यवस्था जरूर है, लेकिन हमने संसद की सर्वोच्चता कभी नहीं मानी। यहाँ संविधान ही सर्वोच्च है, सर्वोपरि है। यानी सरकार किसी के भी साथ भेदभावपूर्ण रवैया नहीं अपना सकती। उनके अधिकारों का हनन नहीं कर सकती। और न ही ऊँच या नीच की प्रथा का स्मरण करा, असमानता फैला सकती है। ऐसा कोई कार्य, जो असंवैधानिक हो, न्यायपालिका त्वरित उसकी समीक्षा कर, खारिज करती है। कुछ दिनों पहले का ही उदाहरण लें, तो राज्य सरकार की 75% नई आरक्षण व्यवस्था को उच्च न्यायालय ने असंवैधानिक करार देते हुए निरस्त कर दिया था। वहीं सर्वोच्च न्यायालय ने भी ताँती—ततवा जाति को अनुसूचित जाति की सूची से बाहर कर, अति पिछड़ा वर्ग में शामिल करने का आदेश दिया। इस तरह न्यायपालिका संविधान की रक्षा करती है। हम इसे संविधान की पहरेदार भी कहते हैं। हालाँकि यहाँ राज्य सरकार उक्त आरक्षण व्यवस्था से इतना ही चाह रही थी कि जनसंख्या के हिसाब से दलितों—पिछड़ों को और मौका मिले, उनको उन्नति के अवसर मिले।

हमारे देश में लोकतंत्र के तीन आधार—स्तम्भ हैं। वे हैं—विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका। विधायिका का काम कानून बनाना है। कार्यपालिका कानून को लागू करती है, वहीं न्यायपालिका कानूनों की समीक्षा करती है। यानी हमारे देश में शक्तियाँ किन्हीं एक के हाथों में नहीं हैं। इस लिहाज से भी हम कह सकते हैं कि देश का संविधान और लोकतंत्र ख़तरे में नहीं है। भारत विविधताओं से भरा देश है। विशाल संविधान है इसका। यह सभी जातियों—धर्मों—समुदायों के लिए समानता की बात करता है। सबके लिए संविधान है, यानी किसी के भी साथ दोहरा बर्ताव नहीं।

क्या देश का संविधान और लोकतंत्र ख़तरे में है ? इसपर तुलनात्मक अध्ययन के लिए हमें अन्य देशों की शासन—प्रशासन व्यवस्थाओं को भी देखना होगा।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बुड्डो विल्सन, जिन्हें लोक प्रशासन का जनक कहा जाता है। इन्होंने एक ऐसा लेख लिखा, जिसमें लोक प्रशासन को राजनीति विज्ञान से अलग विषय के रूप में स्थापित करने की बात कही। ‘स्टडी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन’ शीर्षक लेख, जो उन्होंने 1887 ई. में लिखा था; अनेक विद्वानों की नज़रें इसपर गईं। अंततः लोक प्रशासन 1887 ई. से ही राजनीति विज्ञान से अलग होकर एक स्थापित विषय बना। और जगह—जगह इसकी पढ़ाई शुरू हो गई। उन्होंने अपने उक्त लेख में अमेरिका की प्रशासन—व्यवस्था की कड़ी निंदा की थी। ‘लूट प्रणाली’ जिसे अंग्रेज़ी में हम ‘स्पॉइल सिस्टम’ के नाम से भी जानते हैं। यह वह प्रणाली है, जहाँ अमेरिका में चुने गए राष्ट्रपति वहाँ के प्रशासनिक पदों पर अपने आदमी (स्टाफ) को साथ लाते हैं, उनको नियुक्त करते हैं और कार्यकाल पूर्ण होने पर उन सब स्टाफ को साथ ले जाते हैं। मतलब हर राष्ट्रपति का अपना—अपना स्टाफ। यह प्रणाली आगे बढ़ता रहा, जो आज भी है वहाँ। यानी पसंदीदा, परिवारवाद—चाचा—भतीजावाद। न कोई परीक्षा उत्तीर्ण, न ही कोई योग्यता। तानाशाह नहीं, तो क्या है यह? फिर भी अमेरिका विकसित देशों में सबसे ताकतवर बना हुआ है।



पर भारत जैसे देशों के लिए अच्छी बात यह भी है कि यहाँ के प्रशासन में भर्ती के लिए UPSC और स्टेट PCS जैसी कठिन परीक्षाओं को पास करना पड़ता है। जिससे योग्य, शिक्षित, कर्मठ और सेवा के भाव से आए लोग होते हैं। सुखद यह भी है कि उक्त परीक्षाओं में कोई भी भारतीय नागरिक बैठ सकता है। अमीरी— गरीबी, रंग—रूप, जाति—धर्म कोई मायने नहीं रखती। यहाँ पर इस बात की भी चर्चा जरूरी हो जाती है कि जब प्रशासन में इस तरह के मेहनती लोग रहेंगे, तो तानाशाही रवैया पैर पसार नहीं सकती।

सरकारें आती—जाती रहती हैं। प्रशासन वहीं का वहीं रहता है। वह सभी के लिए है। किसी की भी सरकार रहे, इसका काम बनी—बनाई नीतियों को जन—जन तक पहुँचाने में या कार्यान्वयन में महती भूमिका रहती है। प्रशासन का आज इतना कार्य—विस्तार हो गया है कि हमसब का इससे कहीं—न—कहीं सामना हो ही जाता है। प्रशासन के बिना शासन और इससे भी बढ़कर सुशासन की कल्पना नहीं कर सकते। देश की शीर्ष जाँच एजेंसियाँ, जैसे—CBI, ED और संस्थाएँ— ECI, RBI आदि में ब्यूरोक्रेसी के ही लोग नियुक्त होते हैं। यानी परिवारवाद—भाई—भतीजावाद मुश्किल!! जिससे इन सब का तानाशाही होना; संभव प्रतीत नहीं होता। अगर गुँजाइश भी रही, तो यहाँ पर विपक्ष की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।

यहाँ विद्वान जेनिंग्स का कथन देना उपयुक्त है कि यदि यह जानना है कि अमुक देश की जनता स्वतंत्र है या नहीं, इससे पहले यह जानना आवश्यक हो जाता है कि वहाँ पर विरोधी दल (विपक्ष) है या नहीं और है, तो कहाँ पर। अगर विपक्ष न हो, तो सरकार अपने दल के बहुमत के बल पर मनमानी करेगी, जिससे नागरिक स्वतंत्रता का हनन होगा।

यहाँ यह कहना भी आवश्यक हो जाता है कि विपक्षी दल अगर मजबूती से काम करें, तो सरकारों का तानाशाही बनना असंभव हो जाता है। संविधान और लोकतंत्र खतरे से बाहर होता है, क्योंकि विपक्ष जनता की वह आवाज़ बनता है, जिससे सरकारें अंदर से भयभीत हो जाती हैं। उन्हें कुर्सी गँवाने या दोबारा सत्ता न मिलने का डर सताता रहता है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि इस लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद से ही देश का विपक्ष और मजबूत हुआ है। प्यू रिसर्च सेंटर की एक रिपोर्ट आई। अमेरिकी थिंक टैंक की ओर से दुनिया के 31 बड़े और ताकतवर देशों में यह सर्वे किया गया कि वहाँ के लोग लोकतांत्रिक व्यवस्था से खुश हैं या नहीं। इस सर्वे में भारत भी शामिल है। अच्छी बात यह सामने आई कि जो लोग भारत के लोकतंत्र को लेकर सवाल खड़े करते थे, वहाँ लोग कहीं अधिक नाखुश हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में आधी से अधिक आबादी वहाँ के लोकतंत्र से खुश नहीं हैं। शक्तिशाली देश अमेरिका के 68% लोग नाखुश है। 31% लोग ही वहाँ के लोकतांत्रिक व्यवस्था से खुश हैं। वहीं भारत की बात करें, तो यहाँ महज़ 20 फीसदी लोग ही नाखुश हैं। 77 प्रतिशत भारतीय जो सिंगापुर के बाद सबसे ज्यादा प्रतिशत है, लोकतांत्रिक व्यवस्था से खुश हैं। उक्त रिपोर्ट इस ओर इंगित करती है कि हमारे देश की संवैधानिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था अन्य कई ताकतवर देशों की तुलना में काफी अच्छी है।

हाल ही की चुनावी— सभा में देश के प्रधानमंत्री ने भी यह बात स्वीकार की कि अगर बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर स्वयं आ जाएँ, तो वे भी अब संविधान को बदल नहीं पाएँगे।

भारत में सभी धर्म के लोग समान हैं। क्या हिंदू, क्या मुस्लिम, क्या सिख, क्या ईसाई... सभी को समान हक हैं, स्वतंत्रता है, अधिकार हैं...संविधान हमें यही बतलाता है। भाईचारा ही भाईचारा...। न्यायालय रक्षक है! विपक्षी दलें लोकतंत्र और संविधान की रक्षा में अहम हैं...तभी पारदर्शी, सुन्दर, स्वच्छ समाज देखने को मिलता है। और हम सब ऐसे ही समाज में रहना पसंद करेंगे। महात्मा गाँधी जिस खूबसूरत दुनिया की बात करते थे, उनके सपनों का भारत...इसके लिए हमें ज़्यादा कुछ नहीं करना है। बस—आपसी भाईचारा लाएँ, सौहार्द्र फैलाएँ...।

भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कहा था,

“सत्ता का खेल तो चलेगा  
सरकारें आएँगी — जाएँगी  
पार्टियाँ बनेंगी — बिगड़ेंगी  
मगर यह देश रहना चाहिए  
इसका लोकतंत्र अमर रहना चाहिए।”

**The Pulse of the Public-**

प्राची आनंद

In halls Where duty Carves its name,  
Where Service rises above the claim,  
The wheels of governance ever turn,  
To light the lamps where futures burn.



Public trust, a fragile thread,  
Woven where justice dares to treat. Policies born  
of Vision's art,  
Crafted to serve the Common heart.

Through Storms of dissent, the anchors hold,  
Guided by values timeless and bold. Transparent  
paths and voices heart, Echo the promise in every  
word

The Stewards of order, the keepers of Care,  
Balance the burdens that others bear,  
With every law and hand extended,  
The arc of Service defended.

oh, noble Call to administrate,  
A bridge of hope in the hands of fate.  
For public good, for peace, for all,  
The heart of governance answers the Call.

**मेरी राधा**

रजनीश कुमार

तुझमें मैं राधा देखूँ, तू देख मेरी ओर,  
मैं ही हूँ तेरा कान्हा, तू राधा—सी चंचल ।

मैं हूँ कान्हा—सा नटखट,  
कान्हा—सा श्यामल रंग मेरा,  
राधा—सा गोरा रंग तेरा ।



तू फूलों से सजकर राधा बने,  
मैं मोरपंख लगा बनूँ कान्हा,  
प्रेम की नदिया में, प्रेम की नाईया में,  
मैं कान्हा खेबईया, तू बैठ मेरी राधा ।  
कान्हा—सा मैं बांसुरी बजाऊँ,  
नृत्य कर बनकर तू मेरी राधा ।  
मेरे प्रेम की डोर में बँध जा,  
अब तू बन जा न मेरी राधा  
तू मेरी राधा मैं तेरा कान्हा

**Women Empowerment***Priyanka Kumari, Semester-1*

Women empowerment refer to be empower of women in all over, promoting women's sense of self-Worth, their ability to determine their own choice, and right to influence social change for themselves and others.

Impact of women Empowerment in India.

In India women er almost contribute in every field Like - Army, Navy, health, education, social Services et.c.

Women's leadership in various sectors has inspired Positive change and social reform.

Additionally, empowered women advocate for health, education and sustainable practices et.c.

***Socio-cultural Empowerment of women:-***

- i) Beti Bachao Beti Padhao yojana.
- ii) National Scheme of Incentives to Girls for secondary Education.
- ii) Pradhan Mantri Swasthya suraksha Yojana. et.c
- H Economic Empowerment of women.
- i) Pradhan Mantri Jan Dhan yojana.
- ii) support to Training & Employment programme for. InNomon (STEP).
- ili) Mahila E-Haat In online marketing. etc



As also a Girls I also wants to impore myself and work for women in every sector Like- education, Health, Advocate et.c. There are many challanges but we should ignore and move ahead. Our constitution give Right to equility so we should express our feeling and ideas



**Public Administration Quotes***Nisha Kumari, Semester 1*

Your role as a leader is to bring out the best in other, even when they know more

...Dr. Wanda Wallace

A good objective of leadership is to help those who are doing poorly to do well to do even better.

Real leadership is being the person others will gladly and confidently follow.

You are not here merely to make a living. You are here in order to enable the world to live more amply, with greater vision, with a finer spirit of hope and achievement. You are here to enrich the world, and you impoverish yourself if you forget the errand.

**कैसा अफसाना?****सोनम सिंह, सत्र : 2023-25**

ये कैसा अफसाना.... ये कैसा प्यार है....

जब बचपन में मन की मांगी चीज ना मिलती हम जिद पर अड जाते थे....

जब मिलती बिन मांगी कीमत ना समझ पाते थे।

ना जाने कैसा दौर चला...

आज की वर्तमान समय में बच्चे चंद मिनटों में ले आते हैं।।

गुजरा जमाना गुजर गया...लेकिन क्या वह उस दौर को महसूस कर पाते हैं॥

ये कैसा अफसाना मां बाप का.... ये कैसा प्यार है।

जब बचपन में बीमार पड़ते हम मां की ममता और पापा का ख्याल है...

आज के वर्तमान समय में न जाने कैसा दौर चला...

मां की ममता कम होती जा रही....ना जाने कैसा दौर चला...

ये वर्तमान समय की बात है...

ये सोशल मीडिया भुखमरी है

प्यार यहां पर प्यार हरी भरी है....

ना जाने कैसा दौर चला...

ये कैसा अफसाना.....ये कैसा प्यार है..।।

**बच्चों के विकास में राज्यवार भेद के मायने****प्रत्युष कुमार रंजन, सत्र : 2023-25**

अगर एक बच्चा बिहार या यूपी में पैदा हुआ और दूसरा गोवा, दिल्ली या चंडीगढ़ में तो जन्म से ही दोनों की आय में छह गुने का अंतर होगा। उसी तरह जब वह स्कूल जाएगा तो एक को कंप्यूटर या नेट सुविधा मात्र 11 और 18: स्कूलों में मिलेगी, जबकि केरल वाले बच्चे को 98: स्कूलों में। भारत में 75 साल पहले संविधान की प्रस्तावना में हम भारत के लोगों ने अवसर की समानता का वादा किया था। गरीब राज्यों में स्वास्थ्य के मद में सरकारी खर्च भी प्रति व्यक्ति काफी कम होता है, जिसकी वजह से बीमारी में अपनी जेब से खर्च गरीबों की कमर तोड़ देता है। इसी कारण से बिहार या उत्तर भारत के राज्यों से समृद्ध और औद्योगिक पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों में पलायन होता है। अगर आर्थिक विकास का सही बंटवारा होता है, तो कम से कम मानव विकास के मूल उपादानों जैसे शिक्षा और स्वास्थ्य में विभेद भी कम होता है। ऐसा नहीं है कि बेहतर मानव विकास के लिए आर्थिक समृद्धि एक मात्र शर्त है। सबसे अच्छे मानव विकास वाले केरल की प्रति व्यक्ति जीडीपी महाराष्ट्र और गुजरात से बेहतर नहीं है, लेकिन शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात में बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल सबसे पीछे हैं जबकि सिक्किम और अन्य उत्तर-पूर्वी राज्य आगे। सीधा सवाल राजनीतिक नेतृत्व की प्राथमिकताओं का है।



**प्लास्टिक प्रदूषण : बड़ी समस्या****जुली सिंह, सत्र : 2023-25**

पर्यावरण को बचाने के लिए बढ़ते प्लास्टिक प्रदूषण को रोकना बहुत जरूरी हो गया है। जमीन और समुद्री जानवरों के शरीर में इसकी मौजूदगी पाई जा रही है। रिसाइकिलिंग के संदर्भ में यह नगरपालिकाओं के लिए सिरदर्द बना हुआ है। इसको रोकने का एकमात्र तरीका इसके स्रोत, वर्जिनपॉलिमर पर धीरे-धीरे कटौती लागू करना है। वैश्विक प्रयास-2022 में संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के प्रयास से वैश्विक प्लास्टिक संधि हुई है। इसका उद्देश्य प्लास्टिक (समुद्री पर्यावरण सहित) को समाप्त करना है। इसकी बैठक पाँच बार हो चुकी है।

प्लास्टिक संधि के नतीजे-170 देशों में से लगभग आधे देशों का मानना था कि प्लास्टिक की उपयोगिता के बावजूद, इसे नष्ट करने में आने वाली परेशारियों को देखते हुए यह एक खतरा बन चुका है। बेहतर रीसाइकिलिंग और पुनः उपयोग से स्थिति में सुधार के दावे को ये देश नहीं मानते हैं।

भारत का दृष्टिकोण – भारत ने उन देशों का साथ दिया है, जो प्लास्टिक उत्पादन में कटौती के विरुद्ध हैं। भारत ने ऐसा व्यापार बाधाओं को देखते हुए किया होगा। अर्थव्यवस्था में प्लास्टिक के महत्व को देखते हुए भी पर्यावरण प्रदूषण से होने वाले स्वास्थ्य प्रभावों से मुँह नहीं मोड़ा जा सकता है। अतः भारत को इससे योजनाबद्ध तरीके से बाहर निकलने के बारे में सोचना चाहिए।

**‘जिद’****पूजा मिश्रा, छात्रा : 2024-26**

शून्य से मैं शुरुआत किया,  
नीचे से उठा हूँ मैं  
तुम क्या मुझे गिराओगे?  
मैं गिर कर भी मुस्कुराऊंगा।  
हर असफलता  
मेरी सफलता की पहली छलांग है,  
खोने को मेरे पास कुछ नहीं,  
पाने को सारा संसार है।



टूटना, बिखरना,  
फिर आगे बढ़ना,  
यही मेरी पहचान है,  
मुझसे जो तुम टकराओगे,  
स्वयं को शून्य में पाओगे।  
अंत में जीत मेरी ही होगी,  
क्या तुम हार को सहन कर  
पाओगे?

**भविष्य की राहें.....**

- छात्रों की मांग के अनुसार प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करना
- छात्रों को सभी प्रकार की परीक्षाओं के लिए तैयार करना
- संचार कौशल बढ़ाना
- परामर्श कक्षाएं
- शोध उन्मुख बनाना
- अध्ययन के साथ मानवीय मूल्यों हेतु गतिविधियाँ करना
- लोक प्रशासन विषय को सी. बी. सी. एस. के तहत लाना



झलकियाँ .....























## छपते-छपते

### कंबल वितरण

11 जनवरी 2025 को स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग एन कॉलेज द्वारा कंबल वितरण का आयोजन किया गया। कंबल वितरण का आयोजन प्राचार्य प्रोफेसर प्रवीण कुमार के कर कमलों द्वारा किया गया। प्राचार्य प्रवीण कुमार ने कहा कि इस प्रकार का आयोजन विद्यार्थियों को समाज सेवा के प्रति प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि इस प्रेरक कार्य के लिए सभी विद्यार्थियों और विभागाध्यक्ष को शुभकामनाएं। इस प्रकार के कार्य करने से समाज के अन्य लोगों को भी समाज सेवा करने की प्रेरणा मिलती है।

विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज ने कहा कि "अध्ययन के साथ मानवीय मूल्यों की चेष्टा करने का प्रयास" यह कंबल वितरण का आयोजन है। इस कार्यक्रम का आयोजन और सहयोग राशि विभागाध्यक्ष डॉक्टर कविता राज, अलख श्री, दंत चिकित्सक डॉ. आशुतोष त्रिवेदी और विभाग के विद्यार्थी रजनीश, निर्भय, निखिल, आदित्य जूली, बिट्टू ने किया। बीते रात शुक्रवार को भी इन विद्यार्थियों ने सड़क पर कंबल वितरण का कार्य किया। इस मौके पर विभाग के शिक्षक डॉक्टर कविता श्रीवास्तव, डॉक्टर संजय कुमार सिंह और अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार सिन्हा भी उपस्थित थे।





## महिलाओं को सशक्त होने के लिए किया प्रेरित

**पटना।** एएन कॉलेज पटना के स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग द्वारा महिला शोषण और कानूनी प्रावधान: मानवाधिकार के संदर्भ में विचार विमर्श विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ प्रवीण कुमार ने महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। वहीं विभागाध्यक्ष डॉ कविता राज ने वर्तमान की घटनाओं का उल्लेख करते हुए महिलाओं हर क्षेत्र में अलग पहचान और आवाज को बुलंद करने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि डॉ कविता श्रीवास्तव, डॉ संजय कुमार सिंह ने भी महिला शोषण और कानूनी प्रावधान के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

## एएन कॉलेज : पत्रिका का लोकार्पण 'संकलन' में कॉलेज का नाम रोशन करने वाले छात्रों की भी कहानियां



**पटना।** एएन कॉलेज में स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग की पहली छह मासिक पत्रिका संकलन का लोकार्पण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार द्वारा किया गया। प्राचार्य ने पत्रिका के प्रकाशन पर शुभकामना दी। विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज ने बताया कि विभाग की पहली पत्रिका में सालभर की गतिविधियां शामिल हैं।

लेख-आलेख, सिविल सेवा की परीक्षा में अंतिम रूप से उत्तीर्ण हुए छात्र, खेल और कला में सफलता प्राप्त कर विभाग एवं कॉलेज का नाम रोशन करने वाले छात्रों की इसमें प्रकाशित किया गया है। इस अवसर पर अतिथि व्याख्याता डॉ. कविता श्रीवास्तव, छात्र प्रत्युष, जुली, सोनम, सुमन, अंकित, सुधा और अन्य लोग उपस्थित रहे।

## 'महिला शोषण और कानूनी प्रावधान' पर सेमिनार

**पटना।** एएन कॉलेज पटना के स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग की ओर से हर्महिला शोषण और कानूनी प्रावधान: मानवाधिकार के संदर्भ में विचार विमर्श पर विभागीय सेमिनार हुआ। प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार ने महिलाओं के सशक्तीकरण और महिलाओं को आत्मनिर्भर होने की बातें कहीं। विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज, विशिष्ट अतिथि व्याख्याता डॉ. कविता श्रीवास्तव, डॉ. संजय कुमार सिंह ने भी अपनी राय रखी। संचालन छात्र आदित्य नारायण ने किया।

## आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज की जरूरत

आमस संसदसभा, पटना। एएन कॉलेज पटना के स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग की ओर से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज की जरूरत पर विचार विमर्श पर विभागीय सेमिनार हुआ। प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार ने महिलाओं के सशक्तीकरण और महिलाओं को आत्मनिर्भर होने की बातें कहीं। विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज, विशिष्ट अतिथि व्याख्याता डॉ. कविता श्रीवास्तव, डॉ. संजय कुमार सिंह ने भी अपनी राय रखी। संचालन छात्र आदित्य नारायण ने किया।

लोक प्रशासन संस्थान, दिल्ली के प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज की जरूरत है। यह हमारे जीवन को बदल रहा है। हमें इसे समझना और इसका उपयोग करना है।

## करियर की चुनौतियों से निपटने के लिए एआइ है समय की मांग

**पटना।** भारतीय लोक प्रशासन संस्थान और एएन कॉलेज की ओर से विश्वनाथ प्रसाद मेमोरियल लेक्चर का आयोजन रविवार को किया गया। व्याख्यान का विषय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की संभावनाएं और चुनौतियां रखी गयी थी। इस अवसर पर भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, दिल्ली के महाविदेशिक और संचालित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रिण्टी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भोजपुर और की मांग है। उन्होंने कहा कि करियर की चुनौतियों से निपटने के लिए एआइ समय की मांग बन गयी

है, उन्होंने कहा कि यह उत्पादकता में वृद्धि करने के साथ शिक्षा-स्वास्थ्य को सुलभ और लचीला बनाने में सहायक साबित हो रहा है। वहीं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रिण्टी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वैश्विक स्तर पर उभर रहा है। किसी भी राज्य और देश को कदम-बे-कदम मिलाकर चलना होगा। कुलसचिव ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक और नौकरी और बेरोजगारी की समस्याएं बढ़ा रहा है।

## 'मजबूत विपक्ष का रहना बेहद जरूरी'

**पटना।** संसदीय लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष का रहना जरूरी है। ये बातें शिववार को एएन कॉलेज स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग, एएन कॉलेज, पटना द्वारा संसदीय लोकतंत्र में ह्वविपक्ष की भूमिका विषय पर विभागीय सेमिनार में वक्ताओं ने कहीं।

प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार ने कहा कि विपक्ष का काम सिर्फ निंदा करना नहीं होना चाहिए। विभागाध्यक्ष डॉ कविता राज, विशिष्ट व्याख्याता डॉ कविता श्रीवास्तव और डॉ संजय कुमार सिंह ने भी बातें रखीं। संचालन आदित्य रंजन व धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ कविता राज ने किया। विभाग के पूर्ववर्ती छात्र सुधांशु पाण्डे और प्रत्युष रंजन आदि थे।

एएन कॉलेज में लोक प्रशासन विभाग की संचालन का हुआ विमोचन जारी है। पटना एएन कॉलेज के स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग में गुरुवार को छह मासिक पत्रिका 'संकलन' का लोकार्पण प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि पत्रिका के आलेख गुणवत्तापूर्ण और विद्यार्थियों के लिए लाभदायक हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. कविता राज ने कहा कि पत्रिका में सालभर की गतिविधियों के साथ लेख-आलेख, सिविल सेवा की परीक्षा में अंतिम रूप से उत्तीर्ण हुए छात्र और खेल आदि में सफलता प्राप्त कर विभाग एवं कॉलेज का नाम रोशन करने वाले छात्रों की इसमें स्थान दिया गया है। मौके पर प्रो. कविता श्रीवास्तव, विद्यार्थी प्रत्युष, जुली, सोनम, सुमन आदि मौजूद थे।

## एएन कॉलेज में रतन टाटा की विशेषताओं और नेतृत्व पर हुई चर्चा

**पटना।** एएन कॉलेज पीजी लोक प्रशासन विभाग में गुरुवार को 'रतन टाटा और उनके प्रशासनिक निर्णय' पर विभागीय सेमिनार आयोजित किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ कविता राज ने निर्णय प्रक्रिया और रतन टाटा के निर्णय लेने और चुनौतियों का सामना करने इत्यादि पर अपने विचार को रखा। विभाग की विशिष्ट व्याख्याता डॉ कविता श्रीवास्तव ने रतन टाटा के महत्वपूर्ण निर्णय पर चर्चा की और बताया कि टाटा एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज के माध्यम से टाटा ग्रुप में

काम करने वाले लोगों को बेहतर काम करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। अतिथि व्याख्याता डॉ संजय कुमार सिंह ने कहा कि किसी भी प्रशासन में निर्णय लोक कल्याणकारी स्वभाव का होना चाहिए। उन्होंने बताया कि रतन टाटा भी अपने कार्यकाल में टाटा ग्रुप के लिए जो भी निर्णय लेते थे, वह कल्याणकारी होते थे। समाज के लिए भी कंपनी में काम करने वाले लोगों के लिए भी और सकार के लिए भी। कार्यक्रम में पहले व तीसरे सेमेस्टर के स्टूडेंट्स ने अपने-अपने विचार रखे।





## किसी भी प्रशासन में निर्णय लोक कल्याणकारी स्वभाव का होना चाहिए

**पटना (आससे)।** एएन कॉलेज पीजी लोक प्रशासन विभाग में गुरुवार को 'रतन टाटा और उनके प्रशासनिक निर्णय' विभागीय सेमिनार आयोजित किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ कविता राज ने निर्णय प्रक्रिया और रतन टाटा के निर्णय लेने और चुनौतियों का सामना करने इत्यादि पर अपने विचार को रखा। विभाग की विशिष्ट व्याख्याता डॉ कविता श्रीवास्तव ने रतन टाटा के महत्वपूर्ण निर्णय पर चर्चा की और बताया कि टाटा एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज के माध्यम से टाटा ग्रुप में काम करने वाले लोगों को बेहतर काम करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। अतिथि व्याख्याता डॉ संजय कुमार सिंह ने कहा कि किसी भी प्रशासन में निर्णय लोक कल्याणकारी स्वभाव का होना चाहिए। उन्होंने बताया कि रतन टाटा भी अपने कार्यकाल में टाटा ग्रुप के लिए जो भी निर्णय लेते थे वह कल्याणकारी होते थे। समाज के लिए भी कंपनी में काम करने वाले लोगों के लिए भी और सरकार के लिए भी कार्यक्रम में पहले व तीसरे सेमेस्टर के स्टूडेंट्स ने अपने-अपने विचार रखे, कार्यक्रम का संचालन प्रत्युष रंजन ने किया।

## एएन कॉलेज में विपक्ष की भूमिका पर सेमिनार

**पटना.** संसदीय लोकतंत्र में विपक्ष का विशिष्ट महत्व होता है। सरकार का कार्य शासन चलाना होता है और विपक्ष का कार्य सरकार की नीतियों की आलोचना करना और वैकल्पिक नीतियां प्रस्तुत करना है, ये बातें शनिवार को एएन कॉलेज में स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग की ओर से 'विपक्ष की भूमिका' विषय पर आयोजित सेमिनार में कॉलेज के प्राचार्य डॉ प्रवीण कुमार ने कहीं। उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम सिर्फ निंदा करना नहीं होना चाहिए, बल्कि समालोचना की ओर भी होना चाहिए।

सिटी बाइट्स

## एएन कॉलेज में पत्रिका संकलन का विमोचन

**पटना.** एएन कॉलेज स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग की ओर से पहली छह मासिक पत्रिका 'संकलन' का लोकार्पण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रवीण कुमार ने किया। प्रवीण कुमार ने पत्रिका के प्रकाशन पर शुभकामनाएं दीं। विमोचन के अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ कविता राज, विभाग की विशिष्ट अतिथि व्याख्याता प्रो कविता श्रीवास्तव व विभाग के छात्र प्रत्युष, जुली, सोनम, सुमन, आनंद, सुधा और अन्य लोग उपस्थित रहे।

## रतन टाटा के लिए गए निर्णय हमेशा लोक कल्याणकारी होते थे : डॉ. संजय पटना

**पटना।** एएन कॉलेज पीजी लोक प्रशासन विभाग में गुरुवार को 'रतन टाटा और उनके प्रशासनिक निर्णय' विभागीय सेमिनार आयोजित किया गया। अतिथि व्याख्याता डॉ. संजय कुमार सिंह मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रशासन में निर्णय लोक कल्याणकारी स्वभाव का होना चाहिए। उन्होंने बताया कि रतन टाटा भी अपने कार्यकाल में टाटा ग्रुप के लिए जो भी निर्णय लेते थे वह कल्याणकारी होते थे। समाज के लिए भी कंपनी में काम करने वाले लोगों के लिए भी और सरकार के लिए भी विभागों के विशिष्ट व्याख्याता डॉ कविता श्रीवास्तव ने रतन टाटा के महत्वपूर्ण निर्णय पर चर्चा की और बताया कि टाटा एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज के माध्यम से टाटा ग्रुप में काम करने वाले लोगों को बेहतर काम करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। कार्यक्रम में पहले व तीसरे सेमेस्टर के स्टूडेंट्स ने अपने-अपने विचार

## सीनियर्स को दी गयी विदाई

**पटना.** एएन कॉलेज स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग के छात्रों ने 'संकलन' के लिए हुए निर्णय लेने और चुनौतियों का सामना करने इत्यादि पर अपने विचार को रखा। विभाग की विशिष्ट व्याख्याता डॉ कविता राज ने निर्णय प्रक्रिया और रतन टाटा के निर्णय लेने और चुनौतियों का सामना करने इत्यादि पर अपने विचार को रखा। विभाग की विशिष्ट व्याख्याता डॉ कविता श्रीवास्तव ने रतन टाटा के महत्वपूर्ण निर्णय पर चर्चा की और बताया कि टाटा एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज के माध्यम से टाटा ग्रुप में काम करने वाले लोगों को बेहतर काम करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। कार्यक्रम में पहले व तीसरे सेमेस्टर के स्टूडेंट्स ने अपने-अपने विचार रखे, कार्यक्रम का संचालन प्रत्युष रंजन ने किया।

युवा शक्ति

31 Jan 2024 - Page 5

युवा शक्ति

## ए.एन.कॉलेज में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर संगोष्ठी का आयोजन



**पटना (युवाशक्ति न्यूज़) :** राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर विकास प्रशासन में महात्मा गांधी के विचार पर विभागीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की श्रद्धा अर्पित करते हुए 3 मिनट के मौन धारण से आरंभ हुआ। विभागाध्यक्ष डॉक्टर कविता राज ने सेमिनार के विषय के मुख्य बिंदुओं को सामने रखते हुए सेमिनार को आरंभ किया। महात्मा गांधी के विचारों को विशेष कर विकास प्रशासन में लागू किए जाने की संभावनाओं को व्यक्त किया। महात्मा गांधी के आधार स्तरीय नियोजन, आत्मनिर्भरता के विचार, स्वराज के सिद्धांत, ट्रस्टीशिप का सिद्धांत, राम राज्य की संकल्पना, लघु और कुटीर उद्योगों के विकास, मशीनीकरण आधुनिकीकरण, भारतीय शिक्षा के ब्यूटीफुल ट्री के स्वरूप को व्यक्त करते हुए अपनी बात रखी। डॉ कविता श्रीवास्तव पूर्व विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान ने महात्मा गांधी के विचारों को रखा। उन्होंने गांधी जी के तीन बंदर की संकल्पना को प्रशासन को आत्मसात करने की आवश्यकता को व्यक्त किया। विभाग के शिक्षक डॉ संजय कुमार सिंह ने महात्मा गांधी के विचारों को वर्तमान परितुश्य में ढालने की कोशिश करने पर बल दिया। डॉक्टर सुकुति द्विवेदी ने राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत में वर्णित पंचायती राज के बारे में बताते हुए कहा कि यह गांधी जी के ही विचारों का ही परिणाम था। स्नातकोत्तर द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर के दिव्यांशु परितोष अस्मिता, नरेन्द्र, जुली प्रत्युष बिंदु तथा अन्य विद्यार्थियों ने अपने-अपने विचारों को रखा। द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सोनम सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया और कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉक्टर कविता राज ने किया।